कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 18 अंक : 46 कानपुर, गुरुवार 13 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

डिजिटल सर्वे से खेती को मिलेगी नई रफ्तार- डॉ आर आर बर्मन

कानपुर । आईसीएआर अटारी जोन तीन में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. आर.आर. बर्मन ने लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे विषय पर आयोजित

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में भाग लिया तथा वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के विशेषज्ञों एवं किसानों से संवाद किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अटारी कानपुर, IFPRI, CIM-MYT एवं IRRI के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ हरियाली अमावस्या के अवसर पर वृक्षारोपण के साथ हुआ।समापन सत्र में डॉ. बर्मन ने कहा कि किसानों से सीधे प्राप्त जानकारी के आधार पर कृषि अनुसंधान एवं प्रसार कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका को और मजबूत करने तथा आधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से किसानों की समस्याओं और आवश्यकताओं को वैज्ञानिक ढंग से दर्ज करने पर बल दिया।आईसीएआर–अटारी, कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहल किसानों की वास्तविक जरूरतों को अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने किसानों से मोबाइल आधारित डिजिटल सर्वे कर व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया।

दैनिक जागरण 12/08/2026

डिजिटल सर्वे देगा खेती को रफ्तार : डा. बर्मन

जागरण संवाददाता, कानपुर : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर)–अटारी जोन–तीन कानपुर में भू–दृश्य आधारित कृषि सर्वेक्षण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कासमापन हुआ। समापन सत्र में आइसीएआर के सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डा.आरआर बर्मन ने कहा कि किसानों की जानकारी के आधार पर कृषि अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। डिजिटल तकनीक से किसानों की समस्याओं व जरूरतों को वैज्ञानिक ढंग से हल करने से कृषि को रफ्तार मिलेगी।

दि ग्राम टुडे
हिन्दी दैनिक

अपना प्रदेश

डिजिटल सर्वे से खेती को मिलेगी नई रफ्तार, किसानों की जरूरतों पर बनेगी कृषि रणनीति : डॉ. आर.आर. बर्मन

दि ग्राम टुडे,कानपुर नगर। किसानों की वास्तविक समस्याओं और जरूरतों को वैज्ञानिक तरीके से समझकर कृषि अनुसंधान एवं प्रसार कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से किसानों से सीधे जानकारी जुटाकर खेती को नई दिशा और रफ्तार दी जा सकती है। यह बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. आर. आर. बर्मन ने आईसीएआर–अटारी जोन–3, कानपुर में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में कही।

'लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन आईसीएआर–अटारी, कानपुर, ध्थ्ब्त्, ब्ध्डडल्ज् एवं ध्त्त्‌ द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हरियाली अमावस्या के अवसर पर वृक्षारोपण के साथ हुई।

किसानों से सीधे मिलेगी खेती की जमीनी जानकारी

समापन सत्र में डॉ. बर्मन ने वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के विशेषज्ञों और किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसानों से सीधे प्राप्त जानकारी के आधार पर कृषि अनुसंधान एवं प्रसार कार्यक्रमों की प्राथमिकताएं तय करने में मदद मिलेगी। इससे किसानों की वास्तविक समस्याओं के अनुरूप तकनीक और समाधान विकसित किए जा सकेंगे।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका को और मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर किसानों की समस्याओं, जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों का व्यवस्थित तरीके से दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए।

मोबाइल आधारित डिजिटल सर्वे का मिला प्रशिक्षण

आईसीएआर–अटारी, कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने कहा कि लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे की पहल किसानों की वास्तविक जरूरतों को कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने मोबाइल आधारित डिजिटल सर्वे के माध्यम से किसानों से जानकारी एकत्र करने का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया। इससे जमीनी स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों को तेजी से संकलित कर उनका उपयोग कृषि क्षेत्र की योजनाओं और कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने में किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, केवीके विशेषज्ञों और अन्य प्रतिभागियों ने डिजिटल सर्वे की तकनीक, किसानों से संवाद तथा प्राप्त जानकारी के वैज्ञानिक उपयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझा। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि अनुसंधान और प्रसार व्यवस्था को किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ते हुए खेती को अधिक प्रभावी, तकनीक आधारित और किसान–केंद्रित बनाना रहा।=

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 45 कानपुर, बुधवार 12 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आईसीएआर में डिजिटल कृषि सर्वेक्षण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

कानपुर। आईसीएआर अटारी जोन 3 में लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे हेतु ओपन डाटा किट आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अटारी, कानपुर में हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अटारी, कानपुर एवं IFPRI, नई दिल्ली के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिकों को आधुनिक डिजिटल सर्वेक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण देकर किसानों से सटीक एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करना है, जिससे कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास तथा किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जा सकें। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में इतद्धक्रएवं द्धस्नकक्कह्लु से डा. आर.के. मलिक, डा. अरिंदम, डा. मधुलिका सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के

उद्घाटन अवसर पर आईसीएआर-अटारी, कानपुर के निदेशक "डॉ. राघवेन्द्र सिंह" ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आंकड़े कृषि प्रसार प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत हैं। ... ओडीके प्लेटफॉर्म के माध्यम से एकत्रित आंकड़े किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझने और वैज्ञानिक निर्णय लेने में सहायक होंगे। कार्यक्रम में डॉ. मलिक ने कहा कि सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जिले के किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझना है, ताकि अनुसंधान एवं कृषि विस्तार गतिविधियां उनकी जरूरतों के अनुरूप संचालित की जा सकें। प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जहां उन्हें ओडीके आधारित डिजिटल सर्वेक्षण, डेटा संग्रहण एवं गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अटारी कानपुर के समस्त वैज्ञानिकों ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण
अंक: 229, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. PRGI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 12 अगस्त 2026 शक सम्वत् 1948, सावन

दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

कानपुर (अमर भारती)। आईसीएआर अटारी जोन 3 में लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे हेतु ओपन डाटा किट आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अटारी, कानपुर में हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अटारी, कानपुर एवं नई दिल्ली के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिकों को आधुनिक डिजिटल सर्वेक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण देकर किसानों से सटीक एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करना है, जिससे कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास तथा किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जा सकें। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में ष्टतढ्कएवं ढ्स्नक्काढ्ढ से डा. आर.के. मलिक, डा. अरिंदम, डा. मधुलिका सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर आईसीएआर-अटारी, कानपुर के निदेशक *डॉ. राघवेन्द्र सिंह* ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आंकड़े कृषि प्रसार प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत हैं। ओडीके प्लेटफॉर्म के माध्यम से एकत्रित आंकड़े किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझने और वैज्ञानिक निर्णय लेने में सहायक होंगे। कार्यक्रम में डॉ. मलिक ने कहा कि सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जिले के किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझना है, ताकि अनुसंधान एवं कृषि विस्तार गतिविधियां उनकी जरूरतों के अनुरूप संचालित की जा सकें। प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जहां उन्हें ओडीके आधारित डिजिटल सर्वेक्षण, डेटा संग्रहण एवं गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अटारी कानपुर के समस्त वैज्ञानिकों ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

एकत्रित आंकड़े से किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझना आवश्यक, वैज्ञानिक निर्णय लेने में होंगे सहायक

कार्यक्रम में शामिल वैज्ञानिक।

कानपुर, 11 अगस्त। आईसीएआर अटारी जोन 3 कानपुर में लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे के लिए ओपन डाटा किट आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिकों को आधुनिक डिजिटल सर्वेक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण देकर किसानों से सटीक एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करना है, जिससे कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास तथा किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जा सकें। कार्यक्रम के उदघाटन पर आईसीएआर-अटारी, कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आंकड़े कृषि प्रसार प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत हैं। ओडीके प्लेटफॉर्म के माध्यम से एकत्रित आंकड़े किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझने और वैज्ञानिक निर्णय लेने में सहायक होंगे। कार्यक्रम में डॉ. मलिक ने कहा कि सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जिले के किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझना है, ताकि अनुसंधान एवं कृषि विस्तार गतिविधियां उनकी जरूरतों के अनुरूप संचालित की जा सकें। प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जहां उन्हें ओडीके आधारित डिजिटल सर्वेक्षण, डेटा संग्रहण एवं गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अटारी कानपुर के समस्त वैज्ञानिकों ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अटारी, एवं आईएफपीआरआई, नई दिल्ली की ओर संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में सीजीआईएआर एवं आईएफपीआरआई से डा. आर.के. मलिक, डा. अरिंदम, डा. मधुलिका सम्मिलित हुए।

हिंदुस्तान 12/08/2026

सर्वे से तैयार की जाएंगी किसान अनुरूप योजनाएं

कानपुर। रावतपुर स्थित आईसीएआर अटारी जोन-3 में लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे के लिए ओपन डाटा किट (ओडीके) आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास तथा किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जा सकें। कार्यक्रम में डॉ. आरके मलिक, डॉ. अरिंदम, डॉ. मधुलिका ने जानकारी दी।

दैनिक जागरण 12/08/2026

कृषि वैज्ञानिकों को डिजिटल सर्वेक्षण के बारे में बताया

कानपुर। आईसीएआर अटारी जोन-3 में लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे के लिए ओपन डाटा किट (ओडीके) आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। डॉ. आरके मलिक, डॉ. अरिंदम, डॉ. मधुलिका ने जानकारी दी।

निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आंकड़े कृषि प्रसार प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिकों को आधुनिक डिजिटल सर्वेक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण देकर किसानों से सटीक एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करना था। उत्तर प्रदेश और बिहार के कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। (ब्यूरो)

Times Of India 12/08/2026

Training to strengthen data collection for farmers

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: A two-day training programme on an Open Data Kit-based landscape diagnostic survey began at ICAR-ATARI Zone 3, Kanpur, to equip Krishi Vigyan Kendras (KVKs) scientists with modern digital survey techniques for collecting accurate and reliable information from farmers.

The training programme aimed to support agricultural research, development of new technologies, and preparation of plans in line with farmers' needs.

On the occasion of the inauguration of the programme, ICAR-ATARI, Kanpur Director Dr Raghvendra Singh said that data collected through the ODK platform will help in understanding the real problems of farmers and in making scientific decisions.

In the programme, expert Dr Malik said that the main objective of the survey is to understand the local needs and challenges of farmers in each district, so that research and agricultural extension activities can be carried out in accordance with their requirements.